Quarterly Newsletter

IMD NEWS

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT
(Ministry of Earth Sciences)

जनवरी –मार्च 2021 | अंक 14 | सं -1

In this issue

आईएमडी स्थापना दिवस, 2021 Page 1
डब्ल्यू एम दिवस, 2021/प्रशिक्षण Page 2
वेबिनार / व्याख्यान Page 3
बैठकें वीडियो / सम्मेलनों Page 4
बैठकें वीडियो / सम्मेलनों Page 5
आउटरीच कार्यक्रम Page 6
अनुसंधान एवं प्रकाशन / आगंतुक Page 7
राजभाषायी निरीक्षण Page 8
मौसम का सारांश Page 9

Published by

India Meteorological Department,
MausamBhawan, Lodi Road,
New Delhi - 110 003

Tel. : 011- 43824298
Telefax : 91-11-24699216 &

91-11- 24623220

email: mausamps@gmail.com

edited by
Dr. S. D. Attri

compiled by
Staff of Editorial Office

Important Events / Activities

भारत मौसम विज्ञान विभाग का 146 वाँ स्थापना दिवस, 2021

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 15 जनवरी, 2021 को अपना 146वाँ स्थापना दिवस मनाया। डॉ. हर्षवर्धन, माननीय केंद्रीय मंत्री पृथ्वी विज्ञान, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और विज्ञान और प्रौद्योगिकी इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विराजमान रहे तथा श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखंड औरश्री जय राम ठाकुर माननीय मुख्यमंत्री, हिमाचल प्रदेश ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। डॉ. माधवन नायर राजीवन, सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने इस समारोह की अध्यक्षता की। डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया और वर्ष 2020 के दौरान भा.मौ.वि.वि. की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

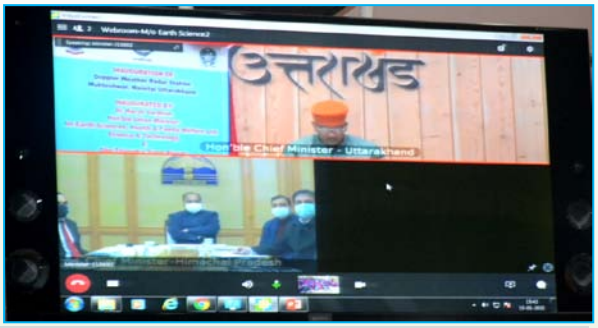

भा. मौ. वि. वि. के स्थापना दिवस 2020, के अवसर पर डॉ. हर्षवर्धन, माननीय केंद्रीय मंत्री, श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, उत्तराखंड के मा. मुख्यमंत्री, श्री जय राम ठाकुर, हिमाचल प्रदेश के मा. मुख्यमंत्री, डॉ. माधवन नायर राजीवन, सचिव, पृ. .मं. और डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि.,

डॉ. हर्षवर्धन, माननीय केंद्रीय मंत्री पृथ्वी विज्ञान, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और विज्ञान और प्रौद्योगिकी ने मुक्तेश्वर, उत्तराखंड और कुफरी, शिमला, हिमाचल प्रदेश में स्थापित दो डॉपलर मौसम रेडार राष्ट्र को समर्पित किए, 2020 के दौरान चक्रवात विक्षोभ पर एक रिपोर्ट, हिंदी पत्रिका "मौसम मंजूषा" जारी की गई तथा भा.मौ.वि.वि. की पत्रिका 'मौसम' की ऑनलाइन वेब पोर्टल और भा.मौ.वि.वि. नई दिल्ली के उपग्रह मौसम प्रभाग में स्थापित मल्टी मिशन मिटीयिरिलोजिकल डेटा रिसिविंग एंड प्रोसेसिंग सिस्टम (एमएमडीआरपीएस) का उद्घाटन किया गया।

डॉ. हर्षवर्धन, माननीय केंद्रीय मंत्री, डॉ. माधवन नायर राजीवन, सचिव, एमओईएस, डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. और डॉ. ए.के. शर्मा, 'जी' भा.मौ.वि.वि. की पत्रिका 'मौसम' की ऑनलाइन वेब पोर्टल और भा.मौ.वि.वि. नई दिल्ली के उपग्रह मौसम प्रभाग में स्थापित मल्टी मिशन मिटीयिरिलोजिकल डेटा रिसिविंग एंड प्रोसेसिंग सिस्टम (एमएमडीआरपीएस) का उद्घाटन करते हुए

महत्वपूर्ण घटनाएँ / गतिविधिया

26 जनवरी, 2021 को भा.मौ.वि.वि. के मुख्यालय में और पूरे भारत में फैले भा.मौ.वि.वि. के सभी उप-कार्यालयों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इस अवसर पर, सभी कार्यालयों के प्रमुखों ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और राष्ट्रगान गाया। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने देशभक्ति के अन्य गीत भी गाए।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने वेटलैंड्स इंटरनेशनल दक्षिण एशिया द्वारा 2 फरवरी, 2021 को आयोजित विश्व आर्द्र भूमि दिवस समारोह में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने 19 मार्च, 2021 को राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र के स्थापना दिवस में भाग लिया।

विश्व मौसम विज्ञान दिवस 2021

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 23 मार्च, 2021 को विश्व मौसम विज्ञान दिवस मनाया, जिसका उद्घाटन डॉ. एम. राजीवन, सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने किया। डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने विश्व मौसम विज्ञान दिवस 2021 पर संबोधन भाषण दिया। इस अवसर पर, भा.मौ.वि.वि. ने जलवायु डेटा सेवा पोर्टल, भा.मौ.वि.वि. की विभिन्न पूर्वानुमान सेवाओं पर 21 मानक संचालन प्रक्रिया नियमावली और भा.मौ.वि.वि. के विभिन्न प्रभागों और कार्यालयों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं पर प्रकाश डालने वाले ब्रोशर/टेम्पलेट्स की जारी किए।

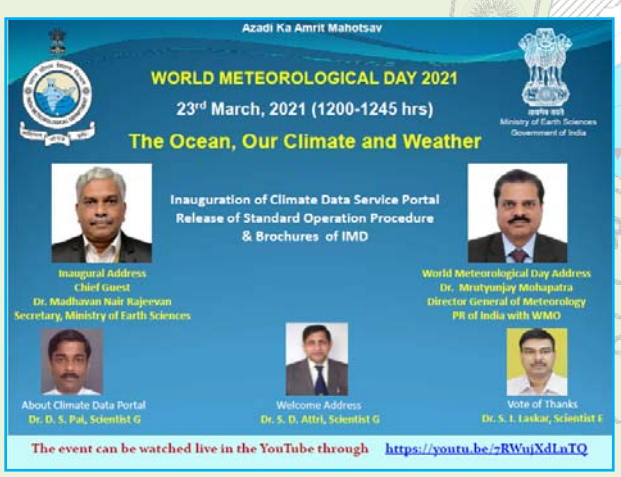

डॉ. एम. राजीवन, सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने विश्व मौसम विज्ञान दिवस 23 मार्च 2021 को भारतीय मौसम विज्ञान सोसायटी (आईएमएस) और भारतीय महासागर सोसायटी (ओएसआई) द्वारा "महासागर, हमारी जलवायु और मौसम" विषय पर आयोजित ई-संगोष्ठी का उद्घाटन किया।. डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. और अध्यक्ष आईएमएस ने आरंभिक संबोधन किया और डॉ. रविचंद्रन, निदेशक, एनसीपीओआर और अध्यक्ष ओएसआई के साथ तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने 23 मार्च, 2021 को जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विश्व मौसम दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन भाषण दिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने 26 मार्च, 2021 को एनआईटी, राउरकेला द्वारा इंडियन सोसाइटी फॉर हाइड्रोलिक्स (आईएसएच), पुणे के तत्वावधान में आयोजित हाइड्रो-2020 के उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया।

समझौता ज्ञापन

डॉ. के. सती देवी, वैज्ञानिक 'एफ' ने 27 जनवरी, 2021 को राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र, संयुक्त अरब अमीरात (एनसीएम-यूएई) और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के बीच हाल ही में हस्ताक्षरित एमओयू के वर्चुअल समारोह में भाग लिया।

नवीन स्वीकृत परियोजनाएं/योजनाएं/कार्यक्रम

भा.मौ.वि.वि. में ई-ऑफिस को 1 जनवरी, 2021 से लागू किया गया। डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक , भा.मौ.वि.वि. ने 1 जनवरी, 2021 को भा.मौ.वि.वि. में ई-ऑफिस का उद्घाटन किया।

भा.मौ.वि.वि. ने 12 जनवरी, 2021 को वर्षा, गरज के साथ तूफान, चंडवात आदि जैसी सभी जनता द्वारा प्रेक्षित मौसम की घटनाओं को एकत्र करने के लिए वेब इंटरफेस के माध्यम से अपने क्राउड सोर्सिंग तंत्र का शुभारंभ किया। लिंक (https://city.imd.gov.in/citywx/crowd/ Enter_th_data.php) भा.मौ.वि.वि. की मुख्य वेबसाइट (https://mausam.imd.gov.in/) पर 'पब्लिक ऑब्जर्वेशन' शीर्षक के तहत उपलब्ध है, जिसका उद्देश्य वर्षा, गरज, बर्फ, ओलावृष्टि सहित सभी मौसम की घटनाओं की जानकारी को इकट्ठा और संग्रहित करना है जिससे कि पूर्वानुमान का सत्यापन और पूर्वानुमान में और सुधार किया जा सके।

मानव संसाधन विकास गतिविधियाँ

प्रशिक्षण

श्री सनी चुग, वैज्ञानिक 'सी' (आईएसएसडी) ने 4 जनवरी, 2021 से 8 जनवरी, 2021 तकसीडीएसी हैदराबाद द्वारा आयोजित "साइबर सुरक्षा और खतरों" पर 5 दिनों के ऑनलाइन प्रशिक्षण में भाग लिया।

श्री शिविंदर सिंह, वैज्ञानिक 'सी' ने 22 फरवरी, 2021 से 5 मार्च, 2021 तक नाइलिट, चंडीगढ द्वारा आयोजित 10 दिन के 'ऑगमेंटेड एंड वर्चुअल रियलिटी (एवीआर)" विषयपर मुफ्त ऑनलाइन प्रशिक्षण में भाग लिया।

24 फरवरी, 2021 को महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि., नई दिल्ली की अध्यक्षता में "क्यूजीआईएस का उपयोग करके मौसम मानचित्र तैयार करना" और "स्थानीय भाषाओं में मौसम बुलेटिन चेतावनी ग्राफिक्स" विषय पर एक वर्चुअल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

एनआईसी द्वारा भारत मौसम विज्ञान विभाग (भा.मौ.वि.वि.) के लिए मास्टर प्रशिक्षकों के लिए "ई-ऑफिस उत्पाद" विषयपर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम 11-12 मार्च, 2021 को वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित किया गया।

मैनेज, राजेंद्रनगर, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा 23-26 मार्च, 2021 तक "कृषि में जलवायु परिवर्तन अनुकूलन" विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया और "ब्लॉक स्तर और जिला स्तरीय कृषि मौसम सलाहकार सेवाओं में भा.मौ.वि.वि. की भूमिका" पर प्रस्तुति दी गई।

26 मार्च, 2021 को डॉ. एच. आर. बिस्वास, वैज्ञानिक 'ई' की अध्यक्षता में मौसम केंद्र भुवनेश्वर में "एडब्ल्यूएस के सत्यापन" विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। उड़ीसा के विभिन्न जिलों के प्रखंड कृषि अधिकारी/एएओ ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

वेबिनार

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने 13 जनवरी, 2021 को एनआईडीएम द्वारा प्रारंभिक चेतावनी और संचार में 'आत्मनिर्भरता' के लिए "राष्ट्रीय स्तर के अभ्यास और दृष्टिकोण" विषय पर आयोजित वेबिनार में पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. और डॉ. नरेश कुमार, वैज्ञानिक 'ई' ने 19 जनवरी, 2021 को एनडीएमए द्वारा आयोजित "हीट वेव रिस्क रिडक्शन - 2021" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

डॉ. आर. के. जेनामनी, वैज्ञानिक 'एफ' ने इंडो-यूकेएमओ, डब्ल्यूसीएसएसपी इंडिया डब्ल्यूपी के साथ 25 जनवरी, 2021 को आयोजित योजना परिचर्चा में "आईबीएफ के निर्माण और भारत में खराब मौसम की विभिन्न परिघटनाओं के लिए जोखिम आधारित चेतावनी" के लिए डब्ल्यूसीएसएसपी इंडिया डब्ल्यूपी 3 के लिए विज्ञान की गतिविधियों तथा प्राथमिकताओं (2021-23) पर प्रगति और आगे की विज्ञान योजना पर पत्र प्रस्तुत किया।

श्री राजा आचार्य ने 28 जनवरी, 2021 को नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओएए), यूएसए द्वारा "डेवलपमेंट ए कॉस्ट इफेक्टिव एयर-डिप्लॉयड अनमैन्ड एयरक्राफ्ट सिस्टम (यूएएस) फॉर यूज इन टर्बुलेंट एनवायरनमेंट" विषय पर आयोजित वेबिनार में भाग लिया।

डॉ. के. के. सिंह, वैज्ञानिक 'जी' ने 1-2 फरवरी, 2021 के दौरान आईसीएआर-एनएएचईपी द्वारा एनएएस कॉम्प्लेक्स दिल्ली में "कृषि शिक्षा में एनईपी कार्यान्वयन के लिए एक रोडमैप" विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

व्याख्यान / वार्ता

श्री सुरेंद्र पॉल, वैज्ञानिक 'एफ' ने 12 जनवरी, 2021 और 16 मार्च, 2021 को हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान (एचआईपीए), गुरुग्राम, हरियाणा द्वारा आयोजित वर्चुअल प्रशिक्षण कार्यक्रम में "भारी वर्षा पूर्वानुमान और भा.मौ.वि.वि. की प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली" पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

श्री बी. पी. यादव, वैज्ञानिक 'एफ' ने पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय,भारत मौसम विज्ञान विभाग, भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान, राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र और भारतीय मौसम विज्ञान सोसाइटी द्वारा संयुक्त रूप से 18 जनवरी, 2021 को आयोजित मॉनसून 2020 पर ब्रेन स्टॉर्मिंग वर्कशॉप में "नदी बाढ़ मौसम विज्ञान सहायता और फ्लैश फ्लड गाइडेंस" विषय पर एक वैज्ञानिक व्याख्यान दिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने 20 जनवरी, 2021 को पीआरएल द्वारा आयोजित परिचर्चा में भाग लिया और "मौसम पूर्वानुमान: वर्तमान स्थिति और भविष्य की योजनाओं" पर एक व्याख्यान दी।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 29 जनवरी, 2021 को आईडीसीएफ द्वारा आयोजित "सभी के लिए सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन" में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में संबोधन किया ।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने 3 फरवरी को पूर्वी गोलार्ध के देशों में डब्ल्यूएमओ के महासचिव प्रो. पेटेरी तालास द्वारा दिए गए ब्रीफिंग में भाग लिया।

श्री बी. पी. यादव, वैज्ञानिक 'एफ' ने 4 फरवरी, 2021 को आईआईपीए, नई दिल्ली में "भा.मौ.वि.वि. और जल संसाधन प्रबंधन" पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 19 मार्च, 2021 को पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित "स्वास्थ्य के लिए मौसम और जलवायु सेवाओं" पर राष्ट्रीय वेबिनार में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. कुलदीप श्रीवास्तव, वैज्ञानिक 'ई' ने हेलीकॉप्टर ऑपरेटरों के लिए 19 मार्च, 2021 को आयोजित ई-प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के तहत "वेबसाइट में डेटा और भा.मौ.वि.वि उत्पाद" विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने वीसी के माध्यम से उत्कल विश्वविद्यालय द्वारा 20 मार्च, 2021 को आयोजित "पर्यावरण विज्ञान" पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के दौरान "भारत में मौसम का पूर्वानुमान: वर्तमान स्थिति और भविष्य का कार्यक्षेत्र" पर एक वार्ता दी।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 22 मार्च, 2021 को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक द्वारा "सतत ऊर्जा और पर्यावरण" विषय पर आयोजित वेबिनार में भाग लिया।

श्री सुरेंद्र पॉल, वैज्ञानिक 'एफ' ने 26 मार्च, 2021 को हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान (एचआईपीए), गुरुग्राम, हरियाणा द्वारा आयोजित वर्चुअल प्रशिक्षण कार्यक्रम में "सूखा प्रबंधन और भा.मौ.वि.वि. की प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली" पर एक आमंत्रित ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

एएमटीसी बैच-181 के प्रतिभागियों के लिए फरवरी 2021 के पहले सप्ताह के दौरान डॉ. ए. के. दास, वैज्ञानिक 'ई'; श्री एस. के. माणिक, वैज्ञानिक 'सी' द्वारा जल मौसम विज्ञान पर बुनियादी और उच्च स्तरीय व्याख्यान दिए गए और श्री अशोक राजा एस. के. वैज्ञानिक 'सी' द्वारा जीआईएस पर व्याख्यान दिए गए। एमटीआई, पुणे की अनुसूची के अनुसार फरवरी-मार्च 2021 के दौरान एफटीसी बैच-190 के लिए पर जल मौसम विज्ञान पर श्री राहुल सक्सेना, वैज्ञानिक 'एफ', डॉ. ए. के. दास, वैज्ञानिक 'ई', श्री एस. के. माणिक, वैज्ञानिक 'सी', श्री एस. के. अशोक राजा, वैज्ञानिक 'सी' द्वारा व्याख्यान दिए गए।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने 29 मार्च, 2021 को आईआईटीएम पुणे द्वारा आयोजित "दक्षिण एशिया में उप-मौसमी से मौसमी पूर्वानुमान के भविष्य की दिशा" पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में भाग लिया और भारत में S2S पूर्वानुमानों के सामाजिक अनुप्रयोग: वर्तमान स्थिति और भविष्य का कार्यक्षेत्र" विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

कार्यशाला / संगोष्ठी

डॉ. के. के. सिंह, वैज्ञानिक 'जी' ने स्कूल ऑफ क्लाइमेट चेंज एंड एग्रोमेट, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय लुधियाना द्वारा "जलवायु परिवर्तन, प्रभाव, मूल्यांकन और शमन" पर कृषि क्षेत्र के वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन आयोजित किए गए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 4 जनवरी, 2021 को "कृषि में जोखिम प्रबंधन के लिए विस्तारित/मौसमी जलवायु पूर्वानुमान का उपयोग" विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. तथा अन्य संबंधित अधिकारियों ने एनडीएमए द्वारा 13 जनवरी, 2021 को आयोजित किए गए "पूरी तरह से परिचालन वेब आधारित गतिशील समग्र जोखिम एटलस (वेब-डीसीआरए और निर्णय समर्थन प्रणाली (डीएसएस) उपकरण और डीसीआरए ऐप, वेब-सीआरए के ऑफ़लाइन डेस्कटॉप संस्करण और ऑफलाइन एक्सपोजर मैनेजमेंट के कार्यक्रम को देखा।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने 18 जनवरी, 2021 को MoES, IMD, IITM और NCMRWF द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "मॉनसून 2020 पर ब्रेन स्टॉर्मिंग वर्कशॉप" में भाग लिया।

डॉ. के. के. सिंह, वैज्ञानिक 'जी' और डॉ. अशोक कुमार दास, वैज्ञानिक 'ई' ने "विस्तारित पूर्वानुमान प्रणाली (ईपीएस) उत्पादों का उपयोग" विषय पर एनसीएमआरडब्ल्यूएफ द्वारा आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया और 20-22 जनवरी, 2021 को "कृषि क्षेत्र के लिए संख्यात्मक मॉडल पूर्वानुमान का उपयोग: अनिश्चितता से निपटना" विषय पर एक व्याख्यान दिया ।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने यू.के. मौसम कार्यालय द्वारा 25 जनवरी, 2021 को "वेदर एंड क्लाइमेट साइंस फॉर सर्विसेज पार्टनरशिप (डब्ल्यूसीएसएसपी) इंडिया" विषय पर आयोजित विज्ञान कार्यशाला में दो तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता की।

डॉ. के. के. सिंह, वैज्ञानिक 'जी' ने जीबीपीयूएटी पंतनगर के पीजी और पीएचडी के विद्यार्थियों के लिए "कृषि में मौसम पूर्वानुमान और एग्रोमेट एडवाइजरी के समुचित अनुप्रयोग" पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 27 जनवरी, 2021 को "एग्रोमेट एडवाइजरी सर्विस: चुनौतियां और अवसर" पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया ।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने फिक्की द्वारा "फॉस्टरिंग साइक्लोन रेजिलिएशन इन इंडस्ट्रीज, इंफ्रास्ट्रक्चर एंड कम्युनिटीज" विषय पर आयोजित ई-कॉन्क्लेव में भाग लिया और 28 जनवरी, 2021 को विशेष भाषण दिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने 1 फरवरी, 2021 को सीपीसीबी के सहयोग से भा.मौ.वि.वि और आईआईटीएम, पुणे द्वारा केंद्रीय और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के अधिकारियों के लिए आयोजित "परिचयात्मक कार्यशाला" में उद्घाटन भाषण दिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि ने 1 फरवरी, 2021 को यू.के.मेट ऑफिस द्वारा "वेदर एंड क्लाइमेट साइंस फॉर सर्विसेज पार्टनरशिप (डब्ल्यूसीएसएसपी) इंडिया" विषय पर आयोजित- दूसरी वार्षिक कार्यशाला में भाग लिया।डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक ने 1 और 3 फरवरी, 2021 को आयोजित भारत- यूके WCSSP की बैठक की अध्यक्षता भी की।

श्री राजा आचार्य ने 16-18 मार्च, 2021 तक डब्ल्यूएमओ और इंटरगवर्नमेंटल ओशनोग्राफिक कमीशन, यूएन द्वारा वर्चुअल मोड के माध्यम से आयोजित "पोर्ट मौसम विज्ञान अधिकारियों" की छठवीं अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

बैठकें / वीडियो कांफ्रेंस

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने 2 जनवरी, 2021 को "अकाल की पूर्व चेतावनी और चक्रवात/जलवायु घटना" से निपटने के लिए अफ्रीकी क्षेत्र को मौसम सेवाएं प्रदान करने में मदद करने की संभावना तलाशने के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता की।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 4-6 जनवरी, 2021 के दौरान पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में "भारतीय संदर्भ में जलवायु परिवर्तन परिदृश्य" विषयपर वीसी के माध्यम से सत्र की अध्यक्षता की और भाषण दिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि ने 12 जनवरी, 2021 को "भा.मौ.वि.वि. के साथ इंस्ट्रुमेंटेशन परियोजनाओं की संभावनाओं" के संबंध में डॉ. अनंत रामकृष्ण, निदेशक, सीएसआईआर-सीएसआईओ के साथ बैठक में भाग लिया।

जल मौसम विज्ञान प्रभाग द्वारा महानिदेशक की अध्यक्षता में हाइड्रोमेट, बाढ़ मौसम कार्यालयों, मौसम केंद्रों, प्रादेशिक मौसम केंद्रों, एनडब्ल्यूएफसी, एनडब्ल्यूपी और सीआरएस, पुणे के अधिकारियों के साथ 21 जनवरी, 2021 को "हाइड्रोमेट सर्विसेज की विभिन्न गतिविधियों" पर चर्चा करने के लिए एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने 25 जनवरी, 2021 को वीसी के माध्यम से वेब-आधारित गतिशील समग्र जोखिम एटलस विषय पर बैठक की।

श्री राजा आचार्य, मौसम विज्ञानी 'ए' ने 25 जनवरी, 2021 को "वर्चुअल ग्लोबल कॉन्फ्रेंस क्लाइमेट एडेप्टेशन समिट (सीएएस) 2021" में भाग लिया, जिसकी मेजबानी नीदरलैंड सरकार ने डब्ल्यूएमओ और अन्य संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के सहयोग से की गई ।

27 जनवरी, 2021 तथा 23 फ़रवरी, 2021 को महानिदेशक महोदय की अध्यक्षता में राजभाषा अनुभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई

जिसमें श्रीमती सरिता जोशी, सहायक निदेशक (रा.भा.) तथा श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने भाग लिया।

27 जनवरी, 2021 तथा 23 फ़रवरी, 2021 को महानिदेशक महोदय की अध्यक्षता में "राजभाषा अनुभाग की समीक्षा बैठक" आयोजित की गई जिसमें श्रीमती सरिता जोशी, सहायक निदेशक (रा.भा.) तथा श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने 28 जनवरी, 2021 को आईएमएस के अध्यक्ष के रूप में भारतीय मौसम विज्ञान सोसायटी (आईएमएस) राष्ट्रीय परिषद की "चौथी राष्ट्रीय परिषद बैठक" की अध्यक्षता की।

डॉ. कुलदीप श्रीवास्तव, वैज्ञानिक 'ई' ने 28 जनवरी, 2021 को "एनएसडीआई नोडल ऑफिसर्स" वर्चुअल बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने 1 फरवरी, 2021 को डिजिटल एमएमआर के माध्यम से प्रचंड मौसम की रिपोर्टिंग और क्लाउड सोर्सिंग विषय पर वीसी के माध्यम से आयोजित बैठक की अध्यक्षता की।

श्री वाई. के. रेड्डी, वैज्ञानिक 'एफ' और डॉ. कुलदीप श्रीवास्तव, वैज्ञानिक 'ई' ने 1 फरवरी, 2021 को द टास्क टीम ग्लोबल इंफॉर्मेशन सिस्टम सेंटर (टीटी-जीआईएससी) की वीसी बैठक में भाग लिया।

श्री बी. पी. यादव, वैज्ञानिक 'एफ' ने हाइड्रोमेट डिवीजन के सभी अधिकारियों के साथ एमओईएस-यूकेएमओ द्वारा संयुक्त रूप से 1-5 फरवरी, 2021 को आयोजित "मौसम और जलवायु विज्ञान की सेवा भागीदारी (डब्ल्यूसीएसएसपी) वार्षिक कार्यशाला" की द्वितीय वर्चुअल बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने 2 फरवरी, 2021 को सदस्य सचिव, एनडीएमए की अध्यक्षता में शीत लहर की रोकथाम और प्रबंधन के लिए कार्य योजना तैयार करने हेतु दिशानिर्देश तैयार करने के लिए कार्यदल की पहली बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. और अन्य संबंधित अधिकारियों ने 2 फरवरी, 2021 को ग्रामीण कृषि मौसम सेवा (जीकेएमएस) के तहत जिला कृषि मौसम इकाइयों (डीएमयू) के भौतिक और वित्तीय प्रदर्शन के संबंध में डीजी, आईसीएआर और आईसीएआर के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में भाग लिया।

श्री बी. पी. यादव, वैज्ञानिक 'एफ' ने 2 फरवरी, 2021 को वेटलैंड्स इंटरनेशनल साउथ एशिया द्वारा "विश्व आर्द्रभूमि दिवस" पर आयोजित वर्चुअल बैठक में भाग लिया।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 2 फरवरी, 2021 को "एएमएसएस पर सीएसटी समिति" की बैठक की अध्यक्षता की और रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि., डॉ. के. के. सिंह, वैज्ञानिक 'जी' और डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 3 फरवरी, 2021 को "प्रतिनिधि और देश निदेशक, विश्व खाद्य कार्यक्रम, नई दिल्ली" के साथ आयोजित बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने एनडीसीसी की शुरूआती बैठक और इंकॉइस के स्थापना दिवस में राष्ट्रीय दशक समन्वय समिति (एनडीसीसी) के सदस्य के रूप में भाग लिया और 3 फरवरी, 2021 को "महासागर विज्ञान के सतत विकास में संयुक्त राष्ट्र के दशक" विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने 4 फरवरी, 2021 को "चक्रवात फॉनी पर एक वृत्तचित्र की तैयारी" से संबंधित डिजिटल क्रिएटिव एजेंसी इमोशनल फुल्स के सह-संस्थापक के साथ बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने 4 फरवरी, 2021 को "लाइटनिंग रेजिलिएंट इंडिया कैंपेन 2021" के बारे में चर्चा करने के लिए कर्नल संजय श्रीवास्तव, अध्यक्ष, क्लाइमेट रेजिलिएंट ऑब्जर्विंग-सिस्टम प्रमोशन काउंसिल (CROPC) के साथ बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने उत्तराखंड के चमोली जिले में तलाशी और बचाव अभियान की प्रगति की समीक्षा के साथ-साथ ऋषिगंगा नदी,उत्तराखंड में कृत्रिम झील निर्माण पर डीआरडीओ की रिपोर्ट पर चर्चा करने के लिए केंद्रीय गृह सचिव की अध्यक्षता में वीसी के माध्यम से आयोजित बैठक में दिनांक 7, 17 और 20 फरवरी, 2021 को भाग लिया।

श्री बी. पी. यादव, वैज्ञानिक 'एफ' और श्री ए. के. दास, वैज्ञानिक 'ई' ने 8 फरवरी, 2021 को "बाढ़ प्रबंधन के लिए प्रमुख नदी घाटियों में वर्षा पूर्वानुमान" के लिए संचालन और एनडब्ल्यूपी अनुसंधान समिति की बैठक में भाग लिया।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने WoTR द्वारा 9 फरवरी, 2021 को "कृषि मौसम परामर्शी स्वचालन" विषय पर आयोजित बैठक में भाग लिया।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 17 फरवरी, 2021 को भारत मौसम विज्ञान विभाग में "एडब्ल्यूएस और सिटीजन चार्टर" समिति की बैठक की अध्यक्षता की।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने 18 फरवरी, 2021 को संसद भवन, नई दिल्ली में "विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पर्यावरण और वन" विषय पर विभाग से संबंधित संसदीय स्थायी समिति की बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने 18 फरवरी, 2021 को "वन सेवा अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम कार्यालय के दक्षिण एशिया आपदा प्रबंधन सलाहकार" की बैठक में भाग लिया।

श्री बी. पी. यादव, वैज्ञानिक 'एफ' और श्री ए. के. दास, वैज्ञानिक 'ई' और श्री एस. के. माणिक, वैज्ञानिक 'सी' ने 18 फरवरी, 2021 को "मानचित्र सहित भू-स्थानिक डेटा और भू-स्थानिक डेटा सेवाओं के अधिग्रहण और तैयारी के लिए दिशानिर्देश" विषय पर वर्चुअल बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने 19 फरवरी, 2021 को राष्ट्रीय व्यवधानों से निपटने के लिए तकनीकी तैयारी के लिए "मौसम और जलवायु संबंधी आपदाएं" पर इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग (आईएनएई) द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति की बैठक की अध्यक्षता की।

श्री सुरेंद्र पॉल, वैज्ञानिक 'एफ' ने 19 फरवरी, 2021 को "ब्लॉक स्तरीय कृषि मौसम परामर्शियों की तैयारी और प्रसार" के संबंध में हरियाणा और पंजाब के सभी डीएएमयू और एएमएफयू के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक ऑनलाइन समीक्षा बैठक की।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की अध्यक्षता में "भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष (भारत का अमृत महोत्सव)" के संबंध में 23 फरवरी, 2021 को वीसी के माध्यम से आयोजित बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. की अध्यक्षता में भारत मौसम विज्ञान विभाग और एएमएफयू अधिकारियों के बीच 4 मार्च, 2021 को 11:00 बजे से 13:00 बजे तक वर्चुअल इंटरेक्शन मीटिंग आयोजित की गई, जिसमें "किसानों के लिए मौसम-आधारित कृषि मौसम परामर्शी सेवाएं को सुदृढ़ करने के लिए एएमएफयू द्वारा की गई विभिन्न गतिविधियों पर चर्चा की गई"।

भामौविवि और एएमएफयू की वर्चुअल मीटिंग के दौरान डॉ.एम.महापात्र

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 3-4 मार्च, 2021 को "परियोजना वैज्ञानिक, आरए/जेआरएफ/एसआरएफ की आकलन समिति" की अध्यक्षता की।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 4 मार्च, 2021 को नवीनतम फसल मौसम कैलेंडर पर आयोजित बैठक की अध्यक्षता की।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने 5 मार्च, 2021 को वीसी के माध्यम से "उष्ण लहर के लिए तैयारी और शमन के उपायों की समीक्षा" के लिए बैठक में भाग लिया।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 5 मार्च, 2021 को "ओजोन के लिए आरएफपी समिति" की अध्यक्षता की।

डॉ. के. के. सिंह, वैज्ञानिक 'जी' ने 'कृषि-2021' सम्मेलन में भाग लिया, जिसका आयोजन विद्यार्थी कल्याण न्यास, भोपाल द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर,भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली में 6-7 मार्च, 2021 के दौरान "कृषि एवं आत्मानिर्भर भारत" पर आयोजित किया गया था।। माननीय कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर जी ने 6 मार्च, 2021 को इस सम्मेलन का उद्घाटन किया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने 9 मार्च, 2021 को "जीएमआर हैदराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (जीएचआईएएल) के अधिकारियों" के साथ बैठक में भाग लिया।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 15 मार्च, 2021 को आईसीएमआर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "भूमंडलीय पर्यावरण परिवर्तन और स्वास्थ्य" पर उच्चाधिकार प्राप्त समिति की बैठक में भाग लिया।

श्री सुरेंद्र पॉल, वैज्ञानिक 'एफ' ने 15 मार्च, 2021 को "विभिन्न जीकेएमएस गतिविधियों" की समीक्षा करने के लिए हरियाणा और पंजाब के सभी कृषि विकास केंद्रों और एएमएफयू के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक ऑनलाइन समीक्षा बैठक की।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने 16 मार्च, 2021 को "एशिया और प्रशांत एसडीजी की प्रगति रिपोर्ट 2021 की वर्चुअल लॉन्च" से संबंधित बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. राजीवन, सचिव, पृविमं और डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने 18 मार्च, 2021 को क्लाइमेट रेजिलिएंट ऑब्जर्विंग-सिस्टम प्रमोशन काउंसिल के प्रमुख कर्नल संजय श्रीवास्तव के साथ "लाइटनिंग रेजिलिएंट इंडिया कैंपेन" के बारे में आयोजित बैठक में भाग लिया। डॉ. सोमा सेन रॉय, वैज्ञानिक 'एफ', भामौविवि ने भी बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने 18 मार्च, 2021 को शहरी पर्यावरण के मुद्दों को संबोधित करने के लिए बहु-क्षेत्रीय सिमुलेशन लैब और विज्ञान आधारित निर्णय समर्थन ढांचे के विकास के लिए राष्ट्रीय सुपर कंप्यूटिंग परियोजना (एनएसएम) "शहरी मॉडलिंग" के लिए दूसरी परियोजना निगरानी समिति की बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने 22 मार्च, 2021 को भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम), पुणे की "102वीं प्रशासकीय परिषद बैठक" में भाग लिया।

डॉ. कुलदीप श्रीवास्तव, वैज्ञानिक 'ई' ने एनएसडीआई की प्रगति की समीक्षा करने और भविष्य की कार्रवाई तय करने के लिए 22 मार्च, 2021 को आयोजित "14वीं एनएसडीआई कार्यकारी समिति की वर्चुअल बैठक" में भाग लिया।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 23 मार्च, 2021 को ओसीडीडी, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "वेक्टर जनित रोगों पर जलवायु परिवर्तन" से संबंधित टास्क फोर्स की बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने 26 मार्च, 2021 को "सामान्य चेतावनी प्रोटोकॉल परियोजना की तीसरी संचालन बैठक" में भाग लिया।

श्री बी. पी. यादव, वैज्ञानिक 'एफ' और श्री ए. के. दास, वैज्ञानिक 'ई' ने 26 मार्च 2021 को "WMO RA-II हाइड्रोलॉजिकल एडवाइजर्स फोरम" की दूसरी वर्चुअल बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने 30 मार्च, 2021 को "गगनयान सलाहकार परिषद की तीसरी बैठक" में भाग लिया।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' और डॉ. आर. के. गिरी, वैज्ञानिक 'ई' ने 30 मार्च, 2021 को विश्व मौसम विज्ञान संगठन द्वारा आयोजित "क्षेत्रीय संघ - II" की बैठक में भाग लिया।

श्री अशोक राजा एस.के., वैज्ञानिक 'सी' ने 4 फरवरी, 2021 को पृथ्वी के सहयोग से यूके मौसम कार्यालय द्वारा आयोजित दूसरी डब्ल्यूसीएसएसपी इंडिया वार्षिक कार्यशाला के दौरान "प्रभाव आधारित फ्लैश फ्लड गाइडेंस सिस्टम" पर वर्चुअल पोस्टर प्रस्तुति दी।

आउटरीच कार्यक्रम

आईआईटीएम और सीपीसीबी के सहयोग से ईएमआरसी, भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा 1 फरवरी, 2021 को वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से केंद्रीय और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के अधिकारियों के लिए "वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली" विषय पर अर्ध-दिवसीय परिचयात्मक कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, भा.मौ.वि.वि. ने स्वागत और उद्घाटन भाषण दिया। कार्यशाला में कुल 69 अधिकारियों ने भाग लिया।

जीकेएमएस योजना के तहत 31 मार्च, 2021 को समाप्त तिमाही के दौरान कृषि मौसम परामर्शी सेवाएँ प्रभाग द्वारा 328 किसान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

पुरस्कार और मान्यता/प्रशंसा

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने वर्ष 2020-21 के लिए 15 जनवरी, 2021 को भारत मौसम विज्ञान विभाग केस्थापना दिवस पर निम्नलिखित पुरस्कार प्रदान किए:

सर्व श्रेष्ठ मौसम केंद्र-मौसम केंद्र, लखनऊ; सर्व श्रेष्ठ एमडब्ल्यूओ/एएमओ/एएमएस - एएमओ, पालम; सर्व श्रेष्ठ रेडियो सौंदे/पीबीओ-हैदराबाद; सर्वश्रेष्ठ डीडब्ल्यूआर - डीडब्ल्यूआर, मोहनबाड़ी; राजभाषा शील्ड-प्रा.मौ.केंद्र गुवाहाटी;

सर्वश्रेष्ठ समूह 'ए' अधिकारी - (i) डॉ. जी. एन. राहा, वैज्ञानिक 'ई', मौ.के. गंगटोक, (ii) श्री आर. बिबराज, वैज्ञानिक 'सी', सीडब्ल्यूसी, विशाखापत्तनम;

सर्वश्रेष्ठ समूह 'बी' अधिकारी - (i) श्री एन. चंद्रहास, मौसम विज्ञानी 'ए', सीडब्ल्यूसी, विशाखापत्तनम (ii) डॉ हरि सिंह सिसोदिया, मौसम विज्ञानी 'ए', आरएस/आरडब्ल्यू, जोधपुर, (iii) श्री राजेश कुमार, एमएसीपी, डीजीएम (iv) श्री अवधेश कुमार, वैज्ञानिक सहायक, मौ.के. पटना, (v) श्री सरोज सिंह, वैज्ञानिक सहायक., डीजीएम;

सर्वश्रेष्ठ समूह 'सी' अधिकारी: (i) सुश्री शेख अख्तर, उच्च श्रेणी लिपिक, प्रा.मौ.के. चेन्नई, (ii) श्री एस.एस. रेंगाडे, मैकेनिक ग्रेड।, सीआरएस, पुणे, (iii) श्री पांडुरंग एन झलके, एमटीएस, प्रा.मौ.के. नागपुर।

अवसंरचना विकास और संस्थापना

हरियाणा और पंजाब राज्यों में AWS/ARG नेटवर्क को बहाल किया जा रहा है।

जिला और ब्लॉक स्तरीय कृषि मौसम परामर्श प्रदान करने के लिए वेब जीआईएस पोर्टल का विकास शुरू किया गया है।

37 डीएएमयू में एग्रो-एडब्ल्यूएस स्टेशन स्थापित और आरंभ किए गए हैं।

अंतर एजेंसी बैठक

डॉ. अशोक कुमार दास, वैज्ञानिक 'ई' ने 12 जनवरी, 2021 (1000-1300 बजे) को "भारत के नदी घाटियों में बाढ़ का पूर्वानुमानके लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली" परियोजना की दूसरी पीएमसी बैठक में ऑनलाइन भाग लिया।

डॉ. के. के. सिंह, वैज्ञानिक 'जी' ने 15 जनवरी, 2021 को महालनोबिस राष्ट्रीय फसल पूर्वानुमान केंद्र (एमएनसीएफसी) द्वारा आयोजित कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय (एमओएएफडब्ल्यू) की फसल और चमन परियोजनाओं की वार्षिक समीक्षा बैठक में भाग लिया और "कृषि मौसम तकनीकों का उपयोग करके उपज मॉडल में सुधार" पर प्रस्तुति दी।

श्री सुरेंद्र पॉल, वैज्ञानिक 'एफ' ने माननीय मुख्यमंत्री, हरियाणा की अध्यक्षता में 16 जनवरी, 2021 को हरियाणा राज्य सूखा राहत और बाढ़ नियंत्रण बोर्ड की 52 वीं बैठक में भाग लिया और सभा को "शीतकालीन मौसम पूर्वानुमान" के बारे में जानकारी दी तथा माननीय मुख्यमंत्री, हरियाणा से हरियाणा के किसानों के लिए जीकेएमएस योजना के तहत मौसम पूर्वानुमान/सलाह के प्रसार के लिए राज्य सरकार से सहयोग प्रदान करने के लिए अनुरोध किया।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 10 फरवरी, 2021 को टेरी में "विश्व सतत विकास शिखर सम्मेलन" में भाग लिया।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 12 फरवरी, 2021 को कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता में "सतत कृषि" पर एन.ए.सी मैटीरियल मिशन की बैठक में भाग लिया।

डॉ. के. के. सिंह, वैज्ञानिक 'जी' ने ए.सी.आर.ओ.एस.एस.-आई.एम.डी. के अधीन परियोजनाओं की आवधिक प्रगति की निगरानी तथा गतिविधियों के सफल कार्यान्वयन के लिए उपयुक्त निदान उपायों के सुझाव देने हेतु 12 फरवरी, 2021 को आयोजित "परियोजना निगरानी तथा सलाहकार समिति (पी.एम.ए.सी.)" की चौथी बैठक की अध्यक्षता की।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 16 फरवरी, 2021 को "वाटरशेड ऑर्गेनाइजेशन ट्रस्ट (डब्ल्यू.ओ.टी.आर.) (ई.बी.ए.)" की बैठक में भाग लिया।

श्री बी. पी. यादव, वैज्ञानिक 'एफ' तथा श्री अशोक राजा एस.के., वैज्ञानिक 'सी' ने 16 फरवरी, 2021 को एन.डी.एम.ए. द्वारा "रैनी तथा तपोवन, जोशीमठ, चमोली, उत्तराखंड में ऋषिगंगा और धौलीगंगा नदी में फ्लैश फ्लड" विषय पर आयोजित एक ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।

श्री बी. पी. यादव, वैज्ञानिक 'एफ' ने 17 फरवरी, 2021 को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा "चमोली जिले में कृत्रिम झीलों का निर्माण" विषय पर आयोजित एक ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।

श्री बी. पी. यादव, वैज्ञानिक 'एफ', श्री एस के राजा, वैज्ञानिक 'सी' ने 19 फरवरी, 2021 को जल संसाधन मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना (एन.एच.पी) के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर की संचलन समिति (एन.एल.एस.सी.) की तीसरी बैठक में भाग लिया

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 22-26 फरवरी, 2021 के दौरान विश्व मौसम संगठन द्वारा "मौसम, जलवायु, जल तथा संबंधित पर्यावरणीय सेवाओं तथा अनुप्रयोग (सेवा आयोग या एस.ई.आर. सी.ओ.एम.) आयोग" की बैठक में प्रधान प्रतिनिधि के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया। बैठक में डॉ. आशीष मित्रा, वैज्ञानिक 'जी' एवं प्रमुख राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र, श्री आर.के. गिरि, वैज्ञानिक 'ई' तथा भा.मौ.वि.वि. के अन्य अधिकारी भी सम्मिलित हुए।

विश्व मौसम संगठन सेवा आयोग बैठक

श्री वाई के रेड्डी, वैज्ञानिक 'एफ' तथा डॉ. कुलदीप श्रीवास्तव, वैज्ञानिक 'ई' ने 23 फरवरी को "भारत मौसम विज्ञान विभाग में डिजी लॉकर सेवा को अपनाना" विषय पर चर्चा हेतु श्री निर्मित मेहरोत्रा, वरिष्ठ व्यापार विश्लेषक, राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन (टीम डिजिलॉकर) के साथ एक वीसी बैठक में भाग लिया।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 23 फरवरी, 2021 को "राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन सतत विकास परिषद" द्वारा आयोजित बैठक में भाग लिया।

श्री वाई. के. रेड्डी, वैज्ञानिक 'एफ' और डॉ. संकर नाथ, वैज्ञानिक 'ई' ने 2 मार्च, 2021 को पी.डी.एन.एम., भारतीय नौसेना के साथ मौसम विज्ञान के महानिदेशक के कक्ष में "नौसेना को भा.मौ.वि.वि. के आँकड़े साझा करना" विषय से संबंधित मुद्दों पर चर्चा हेतु बैठक में भाग लिया।

डॉ के. के. सिंह, वैज्ञानिक 'जी' ने 3 मार्च, 2021 को एन.आर.ए.ए., कृषि तथा कृषक कल्याण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय वर्षा सिंचित क्षेत्र प्राधिकरण (एनआरएए) के सी.ई.ओ. की अध्यक्षता में "वर्तमान में चल रही फसल बीमा योजनाओं में चुनौतियों तथा सुझावात्मक संस्तुतियों से संबधित अध्ययन" की समीक्षा तथा विचार-विमर्श हेतु एक दिवसीय वर्चुअल बैठक में भाग लिया।

डॉ. के. के. सिंह, वैज्ञानिक 'जी' ने 12 मार्च, 2021 को एफ.ए.आई. में कृषि विज्ञान पर एफ.ए.आई. सलाहकार समिति की एक वर्चुअल बैठक में भाग लिया तथा "मॉनसून 2021 के दौरान वर्षा सिंचित स्थिति: मॉडल पर आधारित मार्गदर्शन" विषय पर प्रस्तुति दी।

श्री वाई. के. रेड्डी, वैज्ञानिक 'एफ' और डॉ. संकर नाथ, वैज्ञानिक 'ई' ने 23 मार्च, 2021 को लेफ्टिनेंट कर्नल दिग्विजय सिंह तथा भारतीय नौसेना के 2 अन्य अधिकारियों के साथ "नौसेना को भा.मौ.वि.वि. के आँकड़े साझा करना" विषय से संबंधित मुद्दों के समाधान हेतु बैठक में भाग लिया।

श्री बी. पी. यादव, वैज्ञानिक 'एफ' ने जल मौसम प्रभाग के अन्य अधिकारियों के साथ 3 मार्च, 2021 और 24 मार्च, 2021 को "जम्मू तथा कश्मीर और लद्दाख के एकीकृत प्रचालनात्मक पूर्वानुमान प्रणाली में आकस्मिक बाढ़ मार्गदर्शन उत्पादों की व्यवहार्यता" विषय पर चर्चा हेतु आर.एम.एस.आई. प्राइवेट लिमिटेड के साथ दो वर्चुअल बैठकों में भाग लिया।

अनुसंधान तथा प्रकाशन

त्रैमासिक शोध पत्रिका 'मौसम' अंक 72, संख्या 1 (जनवरी 2021) में उन्नीस (19) शोध पत्र प्रकाशित हुए।

मृत्युंजय महापात्र, मोनिका शर्मा, एस.वी.जे. कुमार, सुनीता एस. देव तथा भारती एस. साबड़े, उत्तर हिंद महासागर में उष्णकटिबंधीय चक्रवातों की उत्पत्ति की आवृत्ति तथा विभिन्न श्रेणियों की गिरावट", मौसम, 72, 1 (जनवरी, 2021), 1-26।

डी. आर. पटनायक तथा एम. महापात्र, "2010-2020 के दौरान उत्तर हिंद महासागर में उष्णकटिबंधीय चक्रवातजनन की भा.मौ.वि.वि. की विस्तारित अवधि पूर्वानुमान प्रणाली का विकास", मौसम, 72, 1 (जनवरी, 2021), 35-56।

एस. सरन्या गणेश, एस. अभिलाष, एस. जोसेफ, मनप्रीत कौर, ए. डे, आर. मंडल, आर. फाणी, आर. चट्टोपाध्याय, डी.आर. पट्टनायक तथा ए.के. सहाय, उत्तरी हिंद महासागर हेतु बहु-मॉडल एनसेम्बल ढांचे में उष्णकटिबंधीय चक्रवात पूर्वानुमान प्रणाली के विकास और कार्यान्वयन की समीक्षा", मौसम, 72, 1 (जनवरी, 2021), 57-76।

एस.डी. कोटल तथा एस.के. भट्टाचार्य, "उत्तरी हिंद महासागर में (2010-2019) के दशक में गतिक-सांख्यिकीय चक्रवात पूर्वानुमान प्रणाली (CPS) के उष्णकटिबंधीय चक्रवात पूर्वानुमान का विकास मौसम, 72, 1 (जनवरी, 2021), 87- 106.

मेधा देशपांडे, राधिका कनासे, आर. फाणी, मुरली कृष्णा, स्नेहलता तिर्के, पी. मुखोपाध्याय, वी.एस. प्रसाद, सी.जे. जॉनी, वी.आर. दुराई, सुनीता देवी तथा एम. महापात्र, " उत्तरी हिंद महासागर में उष्णकटिबंधीय चक्रवात पूर्वानुमान हेतु वैश्विक एनसेंबल पूर्वानुमान प्रणाली (जी.ई.एफ.एस. टी.1534) मूल्यांकन", मौसम, 72, 1 (जनवरी, 2021), 119-128।

आनंद कुमार दास, अरुण शर्मा, सुधीर जोसेफ, अखिल श्रीवास्तव तथा डी.आर. पट्टनायक, "उत्तर हिंद महासागर में उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के लिए पी.ओ.एम. तथा एच.वाई.सी.ओ.एम. के साथ युग्मित एच.डब्ल्यू.आर.एफ. मॉडल का तुलनात्मक प्रदर्शन", मौसम, 72, 1 (जनवरी, 2021), 147-166 .

एम. सतीश, चिन्मय खड़के, वी.एस. प्रसाद तथा सुमन गोयल, "उपग्रह अनुमानित संवहनी वर्षा उत्पादों का सत्यापन: 2020 की ग्रीष्मकालीन चक्रवात ऋतु हेतु एक अध्ययन", मौसम, 72, 1 (जनवरी, 2021), 229-236।

प्रवत रबी नस्कर तथा सोमनाथ नस्कर, "महाचक्रवात अम्फन की सामयिक तथा गतिक विशेषताएँ", मौसम, 72, 1 (जनवरी, 2021), 237-252।

अमित कुमार, अनिल कुमार सिंह, आर के गिरि तथा जे.एन. त्रिपाठी, "महाचक्रवात अम्फन के पश्चात सेंटिनल -1 आँकड़ों का उपयोग करके आप्लावित मानचित्रण: एक अध्ययन", मौसम, 72, 1 (जनवरी, 2021), 253-264।

मेट मोनोग्राफ शीर्षक "2020 दक्षिणी पश्चिमी मॉनसून ऋतु के दौरान भारत के नदी उप बेसिनों पर मात्रात्मक वर्षा पूर्वानुमान (क्यू.पी.एफ) का सत्यापन" सं. MoES/IMD/HS/Besin Hydrology/01(2021)/13 में प्रकाशित किया गया है।

बी. गीता तथा एस. बालचंद्रन, प्रा.मौ.के. चेन्नै द्वारा "द्विध्रुवीय वर्षा प्रदर्शन के साथ दो डॉस-ए-डॉस चरम उत्तर-पूर्वी मॉनसून ऋतु का नैदानिक विश्लेषण" शीर्षक से एक शोध पत्र स्प्रिंगर प्रकृति द्वारा प्रकाशित जर्नल थ्योरेटिकल एंड एप्लाइड क्लाइमेटोलॉजी के जनवरी 2021 अंक में प्रकाशन हेतु स्वीकार किया गया है।

आगंतुक

श्री (प्रो.) एस.ए. रामाकृष्णा, निदेशक, सी.एस.ओ.आई-सी.एस.आई. आर., चंडीगढ़ ने छह (6) वैज्ञानिकों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ 17 फरवरी, 2021 को मौसम केंद्र, चंडीगढ़ का दौरा किया।

राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय सहयोग

राजभाषायी निरीक्षण

दिनांक 22 फ़रवरी 2021 को मौसम केंद्र-लखनऊ, मौसम केंद्र- शिमला, मौसम केंद्र- चंडीगढ तथा मौसम केंद्र- श्रीनगर का राजभाषायी ई निरीक्षण किया गया। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के संयुक्त निदेशक (रा.भा.) श्री मनोज आबूसरिया तथा मुख्यालय के वैज्ञानिक ‘जी’ डॉ. के. के. सिंह और सहायक निदेशक (राजभाषा) श्रीमती सरिता जोशी द्वारा ई-निरीक्षण किया गया तथा आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए।

दिनांक 03 मार्च 2021 को सहायक निदेशक(रा.भा.) श्रीमती सरिता जोशी द्वारा केंद्रीय क्रय एकक का राजभाषायी निरीक्षण किया गया तथा आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए। निरीक्षण में वरि अनुवाद अधिकारी श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव तथा श्री बीरेन्द्र कुमार भी उपस्थित रहे।

ई- हिंदी कार्यशाला

दिनांक 19 मार्च 2021 को एक दिवसीय ई-हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें विभाग के दिल्ली सहित विभिन्न उपकार्यालयों के लगभग 125 कार्मिकों ने भाग लिया। कार्यशाला का शुभारंभ महानिदेशक महोदय डॉ. मृत्युंजय महापात्र के संबोधन से हुआ। कार्यशाला में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के संयुक्त निदेशक (रा.भा.), श्री मनोज आबूसरिया, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान के सहायक निदेशक श्री राम सकल सिंह, श्रीमती सरिता जोशी, सहायक निदेशक (रा.भा.) तथा वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव ने व्याख्यान दिए।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (मुख्यालय) की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2021 की पहली तिमाही बैठक डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक ‘जी’ की अध्यक्षता में दिनांक 24 मार्च 2021 को आयोजित

की गई। इस बैठक में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के संयुक्त निदेशक (रा.भा.) श्री मनोज आबूसरिया उपस्थित रहे तथा उपकार्यालयों के प्रमुख/ प्रतिनिधि वी. सी. के माध्यम से जुड़े। इस बैठक में मुख्यालय तथा उपकार्यालयों की तिमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की गई।

मौसम सारांश

मौसम के महत्वपूर्ण लक्षण

जनवरी 2021 के दौरान उत्तर पश्चिमी भारत को चार पश्चिमी विक्षोभों तथा दो प्रेरित (इंड्यूस्ड) चक्रवाती परिसंचरणों ने प्रभावित किया। इनमें से एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और इसके प्रेरित चक्रवाती परिसंचरण ने, जिसने 2 जनवरी, 2021 से उत्तर पश्चिमी भारत को प्रभावित करना शुरू कर दिया था, 2-6 जनवरी 2021 के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में वर्षा/हिमपात/गरज के साथ तूफान/ ओलावृष्टि तथा उत्तर-पश्चिम तथा निकटवर्ती मध्य भारत के मैदानी क्षेत्रों में वर्षा/गरज के साथ तूफान/ ओलावृष्टि के साथ लगभग 5 आर्द्र दौर उत्पन्न किए।

फरवरी माह के दौरान लगभग छह पश्चिमी विक्षोभ (तीन क्षीण पश्चिमी विक्षोभ सहित) तथा चार प्रेरित चक्रवाती परिसंचरणों ने उत्तर पश्चिमी भारत को प्रभावित किया। इनमें से, दो प्रणालियों ने पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में छिटपुट से व्यापक वर्षा/हिमपात गतिविधि तथा उत्तर पश्चिम भारत के निकटवर्ती मैदानी क्षेत्रों में एक-दो स्थानों से लेकर कुछ स्थानों पर वर्षा/गरज के साथ तूफान की गतिविधि रही।

मार्च माह में लगभग बारह पश्चिमी विक्षोभों ने उत्तर पश्चिमी भारत को प्रभावित किया, जिनमें से लगभग छह क्षीण रहे तथा केवल जम्मू कश्मीर और लद्दाख के मौसम को प्रभावित किया। पश्चिमी विक्षोभ के गुजरने के साथ ही माह के दौरान लगभग चार से पाँच प्रेरित चक्रवाती परिसंचरण भी बने।

कोहरा

जनवरी माह में पंजाब और पूर्वी उत्तर प्रदेश, प्रत्येक में दो दिन तथा हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश, प्रत्येक में एक दिन अधिकांश स्थानों पर घना से बहुत घना कोहरा रहा।

फरवरी माह के दौरान, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली तथा पंजाब, प्रत्येक में अधिकांश स्थानों पर एक दिन; पंजाब में कई स्थानों पर नौ दिन, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में दो दिन और पूर्वी उत्तर प्रदेश में एक दिन घना से बहुत घना कोहरा छाया रहा।

शीत दिन / शीत लहर

जनवरी माह के दौरान, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पंजाब तथा पूर्वी उत्तर प्रदेश के अधिकांश स्थानों पर एक दिन शीत दिन से लेकर प्रचंड शीत दिन की स्थिति बनी। हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली तथा पंजाब, प्रत्येक में चार दिन; पूर्वी तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश और झारखंड प्रत्येक में एक दिन अनेक स्थानों पर शीत लहर की स्थिति बनी।

फरवरी माह के दौरान, पूर्वी मध्य प्रदेश, बिहार तथा पश्चिम बंगाल और सिक्किम, प्रत्येक में कुछ स्थानों पर एक दिन; ओडिशा में एक - दो स्थानों पर दो दिन तथा पंजाब और पूर्वी उत्तर प्रदेश, प्रत्येक में एक दिन शीत लहर से प्रचंड शीत लहर की स्थिति बनी।

उष्ण लहर (लू)

मार्च माह में सौराष्ट्र और कच्छ, तटीय आंध्र प्रदेश तथा यनम, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, गांगेय पश्चिम बंगाल तथा ओडिशा, प्रत्येक के कुछ भागों में एक दिन; सौराष्ट्र और कच्छ में एक दो स्थानों पर दो दिन तथा कोंकण और गोवा में एक दिन उष्ण लहर से प्रचंड उष्ण लहर की स्थिति रही। मार्च माह के दौरान पश्चिमी राजस्थान में अधिकांश स्थानों पर उष्ण लहर तथा एक दो स्थानों पर प्रचंड उष्ण लहर की स्थिति रही।

वर्षा परिदृश्य

जनवरी 2021

जनवरी 2021 माह में पूरे देश में 20.2 मि.मी. वर्षा अभिलेखित की गई जो इसके दीर्घावधि औसत (LPA) 17.3 मि.मी. से 17% अधिक है।

फरवरी 2021

फरवरी 2021 माह में पूरे देश में 7.6 मि.मी. वर्षा हुई जो इसके दीर्घावधि औसत (एलपीए) 23.5 मि.मी. से 68% कम थी। शीत ऋतु (जनवरी और फरवरी 2021) के लिए पूरे देश में फरवरी 2021 माह में 27.8 मि.मी. वर्षा हुई जो इसके दीर्घावधि औसत (एलपीए) 40.8 मि.मी. से 32% कम थी।

मार्च-2021

मार्च -2021 माह के लिए पूरे देश में 16.7 मि.मी. वर्षा रिकॉर्ड की गई, जो इसके दीर्घावधि औसत (एलपीए) 30.4 मि.मी. का 55% है।

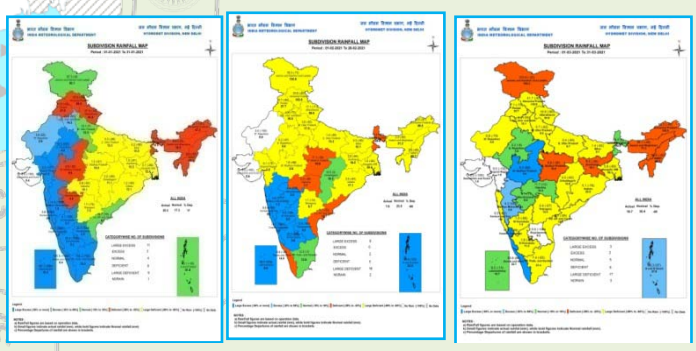

जनवरी, फरवरी तथा मार्च 2021 माह के लिए उपखंडवार वास्तविक समय वर्षा मानचित्र

अप्रैल से जून, 2021 के दौरान तापमान के लिए ऋतुनिष्ठ आउटलुक

- आगामी उष्ण मौसम ऋतु (अप्रैल से जून) के दौरान, उत्तर, उत्तर-पश्चिम तथा पूर्व मध्य भारत के कुछ उपखंडों के अधिकांश उपखंडों में सामान्य से अधिक ऋतुनिष्ठ अधिकतम तापमान रहने की संभावना है। हालांकि, दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के अधिकांश उपखंडों तथा पूर्व उत्तर पूर्व तथा धुर उत्तर भारत के कुछ उपखंडों में सामान्य से कम ऋतुनिष्ठ अधिकतम तापमान रहने की संभावना है।

- पश्चिमी तट तथा पश्चिम भारत के कुछ उपखंडों में ऋतुनिष्ठ न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। हालांकि, उत्तर पश्चिम, मध्य, पूर्व तथा धुर उत्तर भारत के कुछ उपखंडों में ऋतुनिष्ठ औसत न्यूनतम तापमान सामान्य से कम रहने की संभावना है।